बुढ़ार अभिभाषक संघ चुनाव , संजय शरण मिश्रा बने उपाध्यक्ष, नगर के प्रबुद्धजनों ने दी शुभकामनाएं

अध्यक्ष बने जयचंद मिश्रा, सचिव की कमान संभालेंगे बृजेश शुक्ला

नवभारत,बुढ़ार। लोकतंत्र की गरिमा और विधि परंपरा के उत्कृष्ट मूल्यों को आत्मसात करते हुए बुढ़ार अभिभाषक संघ के वर्ष 2026-28 के चुनाव शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुए। मतगणना के बाद जैसे ही परिणाम घोषित हुए, न्यायालय परिसर उल्लास, आत्मीयता और उत्साह से सराबोर हो उठा। विजयी प्रत्याशियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया, मिठाइयां बांटी गईं और समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच अपनी खुशी का इजहार किया। यह चुनाव केवल पदों का चयन नहीं, बल्कि अधिवक्ताओं द्वारा ऐसे नेतृत्व पर जताए गए विश्वास की अभिव्यक्ति है, जो संगठन की एकता, गरिमा और अधिवक्ताओं के सम्मान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सामर्थ्य रखता है।

अध्यक्ष बने जयकांत मिश्रा

सबसे प्रतिष्ठित अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता जयकांत मिश्रा ने प्रभावशाली जीत दर्ज करते हुए 182 मत प्राप्त किए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी शैलेन्द्र कुमार सिंह को 137 मत मिले। इस शानदार विजय ने यह स्पष्ट कर दिया कि अधिवक्ताओं ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए संघ की बागडोर उनके हाथों में सौंपी है। उनके नेतृत्व से अधिवक्ताओं को आशा है कि बार और बेंच के बीच समन्वय और अधिक सुदृढ़ होगा तथा अधिवक्ताओं के हितों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को प्राथमिकता मिलेगी।

एक बार फिर अपने विश्वास की बागडोर ऐसे व्यक्तित्व को सौंपी है, जिसकी पहचान केवल एक कुशल अधिवक्ता के रूप में ही नहीं, बल्कि एक मिलनसार, सरल, सौम्य, हंसमुख और सबको साथ लेकर चलने वाले नेतृत्वकर्ता के रूप में भी रही है। जयचंद मिश्रा का व्यक्तित्व सदैव अपनत्व, विनम्रता और सौहार्द का पर्याय माना जाता है। वे छोटे-बड़े, वरिष्ठ-जूनियर सभी अधिवक्ताओं को समान सम्मान देने में विश्वास रखते हैं। उनका सहज व्यवहार, सकारात्मक सोच, मधुर वाणी और संगठन को परिवार की तरह साथ लेकर चलने की कार्यशैली उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान दिलाती है। यही कारण है कि अधिवक्ताओं ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए संघ की बागडोर उनके हाथों में सौंपी है। उनके नेतृत्व से अधिवक्ताओं को आशा है कि बार और बेंच के बीच समन्वय और

बृजेश कुमार शुक्ला की दमदारी पड़ी प्रतिद्वंदियों पर भारी

सचिव पद पर बृजेश कुमार शुक्ला ने 194 मत प्राप्त कर इस चुनाव की सबसे प्रभावशाली जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मनोज कुमार गौतम को स्पष्ट अंतर से पराजित किया। बृजेश शुक्ला अपनी कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासनप्रियता, स्पष्ट सोच, विनम्र व्यवहार और संगठनात्मक दक्षता के लिए अधिवक्ताओं के बीच विशेष पहचान रखते हैं। वे सदैव सकारात्मक संवाद, पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया के समर्थक रहे हैं। उनकी कार्यशैली में दृढ़ता के साथ आत्मीयता का अद्भुत संतुलन दिखाई देता है। अधिवक्ताओं का विश्वास है कि सचिव के रूप में वे संगठन को नई ऊर्जा, बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था और प्रभावी संचालन प्रदान करेंगे।

संत शरण मिश्रा बने उपाध्यक्ष

उपाध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय मुकाबले में संत शरण मिश्रा (संतु भैया) ने 160 मत प्राप्त कर शानदार जीत हासिल की। उनका व्यक्तित्व सदैव सहजता, सरलता, आत्मीयता और सहयोग की भावना से ओत-प्रोत रहा है। संत शरण मिश्रा को अधिवक्ताओं के बीच एक ऐसे साथी के रूप में जाना जाता है, जो हर परिस्थिति में संगठन के साथ मजबूती से खड़े रहते हैं। उनका सौम्य स्वभाव, मधुर व्यवहार और सभी वर्गों के अधिवक्ताओं को साथ लेकर चलने की क्षमता उन्हें विशेष बनाती है। उनके अनुभव और सक्रियता से संगठन निश्चित रूप से और अधिक सशक्त होगा।

जिम्मेदारी की कमान

सह सचिव पद पर ओंकार प्रसाद गुप्ता ने 147 मत प्राप्त कर विजय हासिल की। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर श्रीमती मंजू तोमर ने 163 मतों के साथ शानदार सफलता प्राप्त करते हुए महिला नेतृत्व की प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने प्रेमलता केवट को पराजित किया। ग्रंथपाल पद पर जितेन्द्र कुमार मिश्र ने लगातार बढ़त बनाए रखते हुए 182 मत अर्जित कर विजय प्राप्त की। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भी अधिवक्ताओं ने योग्य और सक्रिय चेहरों पर विश्वास जताया। इनमें संजना श्रीवास्तव को सर्वाधिक 190 मत, मोनिका केवट को 164 मत, पिंकी सिंह एवं शुभम जैन को 152-152 मत, तथा गिरीश चंद्र साहू को 130 मत प्राप्त हुए और वे निर्वाचित घोषित किए गए। इन सभी के निर्वाचन से कार्यकारिणी में अनुभव, युवा ऊर्जा और महिला सहभागिता का संतुलित समावेश देखने को मिला है।

निर्वाचन अधिकारियों की हो रही प्रशंसा

निर्वाचन अधिकारियों की निष्पक्ष निगरानी में पूरी चुनाव प्रक्रिया अत्यंत शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप सम्पन्न हुई। परिणामों की घोषणा के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। उनका संकल्प अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा, न्यायालय परिसर की मूलभूत सुविधाओं का विकास, बार और बेंच के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाना रहेगा।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में व्यापारी संघ का अल्टीमेटम

- सात दिन में जांच और मुआवजा नहीं मिला तो होगी अनिश्चितकालीन हड़ताल

नवभारत,शहडोल। नगर में चल रही सड़क चौड़ीकरण एवं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर जिला व्यापारी संघ ने नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। व्यापारी संघ ने प्रशासन पर दमनात्मक कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच, पीड़ितों को मुआवजा तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। मांगें पूरी नहीं होने पर सात दिवस के भीतर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी गई है।

जिला व्यापारी संघ द्वारा जारी ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि 28 जून को इंदिरा चौक से बस स्टैंड तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान नगरपालिका प्रशासन ने नागरिकों और व्यापारियों के विरोध के बावजूद कार्रवाई जारी रखी। संघ का आरोप है कि इस दौरान कुछ व्यापारियों और नागरिकों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया तथा जान जोखिम में डालने जैसी स्थिति उत्पन्न हुई।व्यापारी संघ ने सड़क चौड़ीकरण के नाम पर की गई कार्रवाई की मजिस्ट्रियल जांच कराने, वैध मकानों को तोड़े जाने के मामलों में प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने तथा बंद दुकानों और मकानों को क्षतिग्रस्त करने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है। संघ ने आरोप लगाया है कि नगरपालिका प्रशासन द्वारा मनमाने ढंग से कार्रवाई की गई, जिससे व्यापारियों और नागरिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। ज्ञापन में कार्रवाई के दौरान घायल हुए लोगों के उपचार, मुआवजे और पुनर्वास की भी मांग की गई है।

इसके अलावा संघ ने नगर के विभिन्न क्षेत्रों में नालों पर किए गए कथित अतिक्रमणों की जांच कर बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग भी प्रशासन से की है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि सात दिवस के भीतर उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफकार्रवाई नहीं की गई और पीड़ितों को उचित मुआवजा नहीं दिया गया, तो जिले के व्यापारी एवं सामाजिक संगठन संयुक्त रूप से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को बाध्य होंगे।

एक नजर में

चुंगी नाका में हुआ खिचड़ी प्रसाद वितरण, सैकड़ों लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

नवभारत,ब्यौहारी। नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत चुंगी नाका के पास शनिवार को खिचड़ी प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में यात्रियों, राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों ने खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आयोजक संजय पांडे ने बताया कि प्रत्येक शनिवार यहां पर नियमित रूप से विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों का वितरण किया जाता है, जिससे यात्रियों एवं बेसहारा लोगों को भोजन उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि इस सेवा कार्य का उद्देश्य जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना और सामाजिक सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया। क्षेत्रीय विधायक शरद कोल ने भी प्रत्येक शनिवार आयोजित किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आशीष गुप्ता, प्रेमदास त्रिवेदी, प्रदीप पांडे, दिलीप गुप्ता, अजय साहू, शिवम गुप्ता सहित चुंगी नाका के अन्य व्यापारी भाइयों का विशेष सहयोग रहा।

सीएमओ शिवांगी पांडे को हाईकोर्ट से राहत

स्थानांतरण पर लगी रोक

नवभारत,ब्यौहारी। नगर पालिका परिषद ब्यौहारी की मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) शिवांगी पांडे को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। न्यायालय ने उनके स्थानांतरण आदेश पर स्थगन प्रदान करते हुए उन्हें पुन: ब्यौहारी में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि शिवांगी पांडे का स्थानांतरण हाल ही में दतिया जिले की भांडेर नगर परिषद में किया गया था। इस आदेश के विरुद्ध उन्होंने उच्च न्यायालय की शरण ली थी। मामले की सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि शिवांगी पांडे मध्यप्रदेश लोक सेवा की नव नियुक्त अधिकारी हैं तथा वर्तमान में परिवीक्षा अवधि में कार्यरत हैं। नियमानुसार परिवीक्षा अवधि के दौरान सामान्य परिस्थितियों में स्थानांतरण नहीं किया जाता। उल्लेखनीय है कि ब्यौहारी में उनकी यह पहली पदस्थापना है और उन्हें यहां कार्यभार संभाले अभी लगभग तीन माह ही हुए हैं। इनमें से लगभग एक माह का समय प्रशिक्षण अवधि में व्यतीत हुआ। ऐसे में अल्प अवधि में किए गए स्थानांतरण से उन्हें कार्य करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाया था। अपने संक्षिप्त कार्यकाल के दौरान शिवांगी पांडे ने नगर में कई महत्वपूर्ण पहल कीं। उनके प्रयासों से लंबे समय से रुके हुए कई निर्माण कार्य पुन: प्रारंभ हुए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ ही स्वच्छता को लेकर किए गए नवाचारों की नगरवासियों द्वारा सराहना भी की गई। उच्च न्यायालय से स्थगन मिलने के बाद नगर में एक बार फिर विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पीएम जनमन योजना में महाघोटाला, बनने से पहले ही बीच से दो फाड़ हुई सगरा-भाजीखेरवा रोड

- ठेकेदार एके मिश्रा कंस्ट्रक्शन ने 5 साल की गारंटी को बनाया मजाक

नवभारत,गोहपारू। गोहपारू जनपद में अधिकारियों की नाक के नीचे शासकीय धन की खुली डकैतीय 4 किमी की सड़क पर डामर के नाम पर सिर्फश्काला रंगश् पोता, पहली परीक्षा में ही खुली भ्रष्टाचार की पोल, ग्रामीणों में भारी आक्रोश। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक श्प्रधानमंत्री जनमन योजनाश् को गोहपारू जनपद पंचायत में भ्रष्टाचार का घुन लग चुका है। आदिवासियों और पिछड़े ग्रामीणों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए बनाई जा रही करोड़ों की सड़कें, विभाग के इंजीनियरों और ठेकेदार की जुगलबंदी के कारण बनने से पहले ही जमींदोज होने लगी हैं। ताजा और सबसे शर्मनाक मामला ग्राम सगरा से भाजीखेरवा तक बन रही 4 किलोमीटर लंबी डामर सड़क का है। इस मार्ग का निर्माण ए.के. मिश्रा कंस्ट्रक्शन नामक एजेंसी द्वारा किया जा रहा है। निर्माण कार्य में गुणवत्ता की इस कदर धज्जियां उड़ाई गई हैं कि सड़क अभी पूरी तरह चालू भी नहीं हुई है और बीच-बीच में से पूरी तरह टूटकर बिखर चुकी है। डामर की परतें हाथ लगाते ही पपड़ी की तरह उखड़ रही हैं, जो साफबयां कर रहा है कि गिट्टी और डामर के अनुपात में भारी हेरफेर किया गया है।

5 साल की गारंटी या 5 दिन का छलावा

इस पूरे खेल की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई यह है कि अनुबंध के नियमों के मुताबिक, ठेकेदार ए.के. मिश्रा कंस्ट्रक्शन पर इस सड़क को लेकर 5 साल की परफॉर्मेंस गारंटी लागू होती है। नियम कहता है कि 5 साल तक सड़क पर एक कंकड़ भी उखड़ा तो जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी। लेकिन यहाँ तो अंधी मची है! जो सड़क 5 महीने या 5 दिन भी सही सलामत नहीं रह सकी, उसके नाम पर 5 साल की गारंटी का बोर्ड लगाना जनता और शासन के साथ सीधा धोखा है। आखिर किस भरोसे पर तकनीकी अधिकारियों ने इस घटिया काम को मूक सहमति दी

भ्रष्टाचार की गंध से घिरे जिम्मेदार अधिकारी

सूत्रों की मानें तो इस 4 किलोमीटर की सड़क में केवल ऊपरी सतह पर डामर चमकाया गया है, जबकि नीचे का बेस (सड़क की बुनियाद) पूरी तरह से कमजोर है। यही कारण है कि भारी वाहनों का दबाव तो दूर, सामान्य आवागमन में ही रोड बीच से धंस गई है। मामले में जनपद पंचायत गोहपारू के जिम्मेदार तकनीकी अमले की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है, जिन्होंने मौके पर जाकर काम रोकना उचित नहीं समझा।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा आंदोलन की चेतावनी

सगरा और भाजीखेरवा के ग्रामीणों का गुस्सा अब सातवें आसमान पर है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने ठेकेदार के सुपरवाइजर से काम के दौरान भी घटिया निर्माण की शिकायत की थी, लेकिन रसूख के दम पर ग्रामीणों की आवाज को दबा दिया गया। अब जब सड़क बीच से टूट चुकी है, तो ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच नहीं हुई और सड़क को उखाड़कर दोबारा सही मानकों पर नहीं बनाया गया, तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।

इनका कहना है

टूट गया तो मैं क्या करूँ मैं कुछ नहीं कर सकता है जो रोड बनाना था वो बन गया है ।

ठेकेदार ए , के मिश्रा

मन की बात कार्यक्रम का खन्नौधी में सामूहिक श्रवण

नवभारत,गोहपारू। गोहपारू मंडल के खन्नौधी में रविवार को आदरणीय प्रधानमंत्री छंतमदकतं डवकप के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ष्मन की बातष् का सामूहिक श्रवण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन खन्नौधी के तीनों बूथों के कार्यकर्ताओं द्वारा बूथ अध्यक्ष सुजीत गौतम के निवास पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा शहडोल के जिला महामंत्री पुष्पेन्द्र पटेल उपस्थित रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री के विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने का आह्वान करते हुए कहा कि ष्मन की बातष् समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जनभागीदारी को बढ़ावा देने वाला प्रेरणादायी कार्यक्रम है। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष गजेन्द्र चतुर्वेदी, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, मंडल उपाध्यक्ष राजबहादुर मिश्रा, युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष शिवम सिंह तथा वरिष्ठ कार्यकर्ता आनंतकांत गौतम सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

जनगणना के आदेशों की अवहेलना, आदेश के बाद भी शिक्षकों के तबादले जारी

नवभारत शहडोल। जनगणना कार्य के मद्देनज़र शासन द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके बावजूद जिले में शिक्षकों के तबादले किए जाने का मामला सामने आने से सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, जनगणना कार्य में नियुक्त शिक्षकों के तबादले किए जाने से प्रशासनिक निर्देशों के पालन पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। यदि संबंधित शिक्षक जनगणना कार्य से जुड़े हैं, तो ऐसे तबादले शासन के निर्देशों के विपरीत माने जा सकते हैं। इस मामले में यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित स्थानांतरण किस आधार पर किए गए, क्या उन्हें शासन के निर्देशों से छूट प्राप्त थी, अथवा आदेशों की अनदेखी करते हुए तबादले किए गए। अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन और संबंधित विभाग पर हैं कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाती है या नहीं। गोपालपुर में पदस्थ शिक्षक विजय सिंह का जब जनगणना में ड्यूटी के दौरान ट्रांसफर आदेश जारी किया गया हैं आपको बता दे कि जनगणना के दौरान जिस व्यक्ति का ड्यूटी लगाई गई हैं उस शिक्षक य शिक्षिका का ट्रांसफर नहीं किया जा सकता हैं जिसका आदेश केंद्र सहित राज्य सरकार ने सभी विभागों को आदेशित किया गया हैं लेकिन आदेशों को मानना तो दूर बल्कि आदेश को न मानने वाले बहुत हैं। अब देखना यह हैं कि क्या शहडोल जिले की मतगणना के दौरान हुए शिक्षकों का ट्रांसफरों का होना अनुचित हैं य एक सोची समझी साजिश।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने मैदानी स्तर पर करें प्रभावी कार्य : डॉ. परिहार

- क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

नवभारत,शहडोल। शहडोल एवं रीवा संभाग के क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. जी.एस. परिहार ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय शहडोल के सभागार में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. परिहार ने कहा कि जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को रोकना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी

आपसी समन्वय स्थापित करते हुए मैदानी स्तर पर प्रभावी ढंग से कार्य करें। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि मातृ एवं शिशु मृत्यु से संबंधित मामलों की नियमित समीक्षा की जाए, ताकि मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

क्षेत्रीय संचालक ने स्वास्थ्य विभाग में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा कोई भी प्रकरण अनअटेंडेड न रहे।बैठक में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए डॉ. परिहार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्ष 2026 तक क्षय रोग उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सशक्त कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए।

सिकल सेल एनीमिया कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि सिकल सेल एक वंशानुगत बीमारी है, इसलिए इसके प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जाएं। क्षेत्रीय संचालक ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं और कार्यक्रमों की भी समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफसहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस | विभिन्न स्थानों पर धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों का आयोजन किया गया

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद ने उत्साह के साथ मनाया स्थापना दिवस

नवभारत शहडोल। अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल का आठवां स्थापना दिवस शहडोल जिले में अत्यंत भव्य, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। स्थापना दिवस के अवसर पर जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों का आयोजन किया गया, जिनमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं सनातन धर्मावलंबियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का मुख्य मार्गदर्शन महाकौशल प्रांताधिकारी मेहुल श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उनके मार्गदर्शन में संपूर्ण आयोजन सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष विजय बहरानी ने किया। इस अवसर पर संगठन के समस्त जिला, प्रखंड, नगर एवं ग्राम स्तर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस के अवसर पर भगवान श्रीराम, भारत माता एवं वीर हनुमान जी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत संगठन के स्थापना दिवस की ऐतिहासिक यात्रा, उद्देश्य एवं कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद विगत आठ वर्षों से 'सेवा, सुरक्षा एवं संस्कार' के मूल मंत्र के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर राष्ट्र एवं धर्महित में निरंतर कार्य कर रही है।

महाकौशल प्रांताधिकारी मेहुल श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सनातन समाज की एक सशक्त चेतना है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि प्रत्येक हिंदू संगठित होकर सामाजिक समरसता, धार्मिक जागरण, गौसंरक्षण, मातृशक्ति सम्मान, युवाओं के चरित्र निर्माण तथा राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक गांव, नगर एवं वार्ड में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष विजय बहरानी ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण, अनुशासन एवं अथक परिश्रम के कारण आज अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद जन-जन का विश्वास प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संगठन समाज सेवा, धार्मिक जागरण, युवा सशक्तिकरण एवं राष्ट्रहित के अभियानों को और अधिक व्यापक स्तर पर संचालित करेगा। स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर प्रसाद वितरण, जनसंपर्क अभियान, सेवा कार्य, वृक्षारोपण, धार्मिक सभाएं एवं संगठन विस्तार जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। पूरे आयोजन के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह एवं अनुशासन देखने को मिला, जिससे संगठन की मजबूत कार्यशैली का परिचय प्राप्त हुआ।

वक्ताओं ने संगठन के संस्थापक डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित संगठन आज देशभर में हिंदू समाज को संगठित करने, सेवा कार्यों को गति देने तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।कार्यक्रम के समापन पर सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन का वातावरण राष्ट्रभक्ति, धार्मिक आस्था एवं संगठनात्मक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए स्थापना दिवस को ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी बताया।

31 जुलाई को अयोध्या-काशी के लिए रवाना होगी मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन ट्रेन

- 16 जुलाई तक जमा होंगे आवेदन कलेक्टर ने जनपद सीईओ और सीएमओ को दिए आवश्यक निर्देश

नवभारत,शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के अंतर्गत संभावित यात्रा की तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। योजना के तहत 31 जुलाई 2026 को अयोध्या-वाराणसी (काशी) के लिए तीर्थयात्री रेलगाड़ी शहडोल रेलवे स्टेशन से रवाना होगी।कलेक्टर ने बताया कि योजना का लाभ ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को दिया जाएगा, जिन्होंने 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो। यदि पति-पत्नी एक साथ यात्रा कर रहे हैं, तो उनमें से किसी एक की आयु 60 वर्ष होना आवश्यक है। महिलाओं को आयु सीमा में दो वर्ष की छूट प्रदान की गई है।

योजना का लाभ केवल उन्हीं व्यक्तियों को मिलेगा, जिन्होंने पूर्व में मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना का लाभ नहीं लिया हो तथा जो आयकरदाता न हों। आवेदन के साथ प्रथम बार यात्रा करने एवं आयकरदाता न होने संबंधी नोटरीकृत शपथ-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र केवल हिन्दी भाषा में ही स्वीकार किए जाएंगे।65 वर्ष से अधिक आयु के यात्रियों को सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी। समूह में यात्रा करने की स्थिति में तीन से पांच वरिष्ठ यात्रियों पर एक सहायक, जिसकी आयु 18 से 50 वर्ष के बीच हो, साथ ले जाया जा सकेगा। हालांकि, यदि पति-पत्नी एक साथ यात्रा कर रहे हों तो सामान्यत: सहायक की पात्रता नहीं होगी। वहीं, 65 वर्ष से अधिक आयु के पति-पत्नी यदि साथ यात्रा कर रहे हैं, तो उन्हें सहायक ले जाने की अनुमति रहेगी।

कलेक्टर ने बताया कि 60 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले व्यक्ति भी इस योजना के पात्र होंगे। ऐसे आवेदकों पर आयु सीमा लागू नहीं होगी, बशर्ते वे यात्रा करने में सक्षम हों। दिव्यांग यात्रियों को एक अनुरक्षक साथ ले जाने की पात्रता होगी तथा आवेदन पत्र के साथ दिव्यांगता प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।प्रत्येक आवेदन पत्र दो प्रतियों में जमा किया जाएगा तथा उसमें दो ऐसे नामित व्यक्तियों के नाम, मोबाइल नंबर एवं हस्ताक्षर दर्ज करना अनिवार्य होगा, जो यात्रा में शामिल नहीं होंगे। तीर्थयात्रियों को यात्रा के दौरान मौसम के अनुरूप वस्त्र, ऊनी कपड़े, कंबल, चादर, तौलिया, साबुन, कंघी, दवाइयां तथा अन्य आवश्यक व्यक्तिगत सामग्री साथ रखने की सलाह दी गई है। साथ ही यात्रा के दौरान मूल आधार कार्ड अथवा मतदाता परिचय पत्र रखना अनिवार्य होगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से 16 जुलाई 2026 तक आवेदन पत्र प्राप्त कर उनका परीक्षण सुनिश्चित करें तथा यह सत्यापित करें कि आवेदक पहली बार ही मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना का लाभ ले रहा है।